

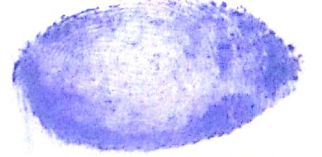
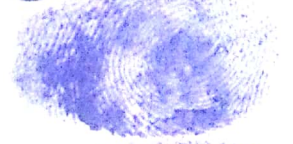
11.2.16

वकील-वारीयान मय वारीयान -
 ने-इस प्रत्युक्त कर विवेक किया
 की इस प्रकरण के लिये पत्रकारिता
 के मध्य शहीदमा की बात ब्यथा -
 रहेगी इस इतिहास इस कथन को -
 यथागत संवेद्यायते की नया प्रमाण
 प्रत्यक्ष इस शक्ति के साथ प्रामाणिक
 लीफ्ट किया जाने की शहीदमा मये
 ये-को-एक प्रत्यक्ष पुनः प्रेष कर हों

अतः प्रमाण-का-उक्त प्रमाण -
 होकर लिया जाता है नया प्रमाण
 को यह अनुवति है फल ही की -
 पत्रकारिता के मध्य शहीदमा संवे

सुखराम

सुखराम



दि. 11/2/16
S/R

